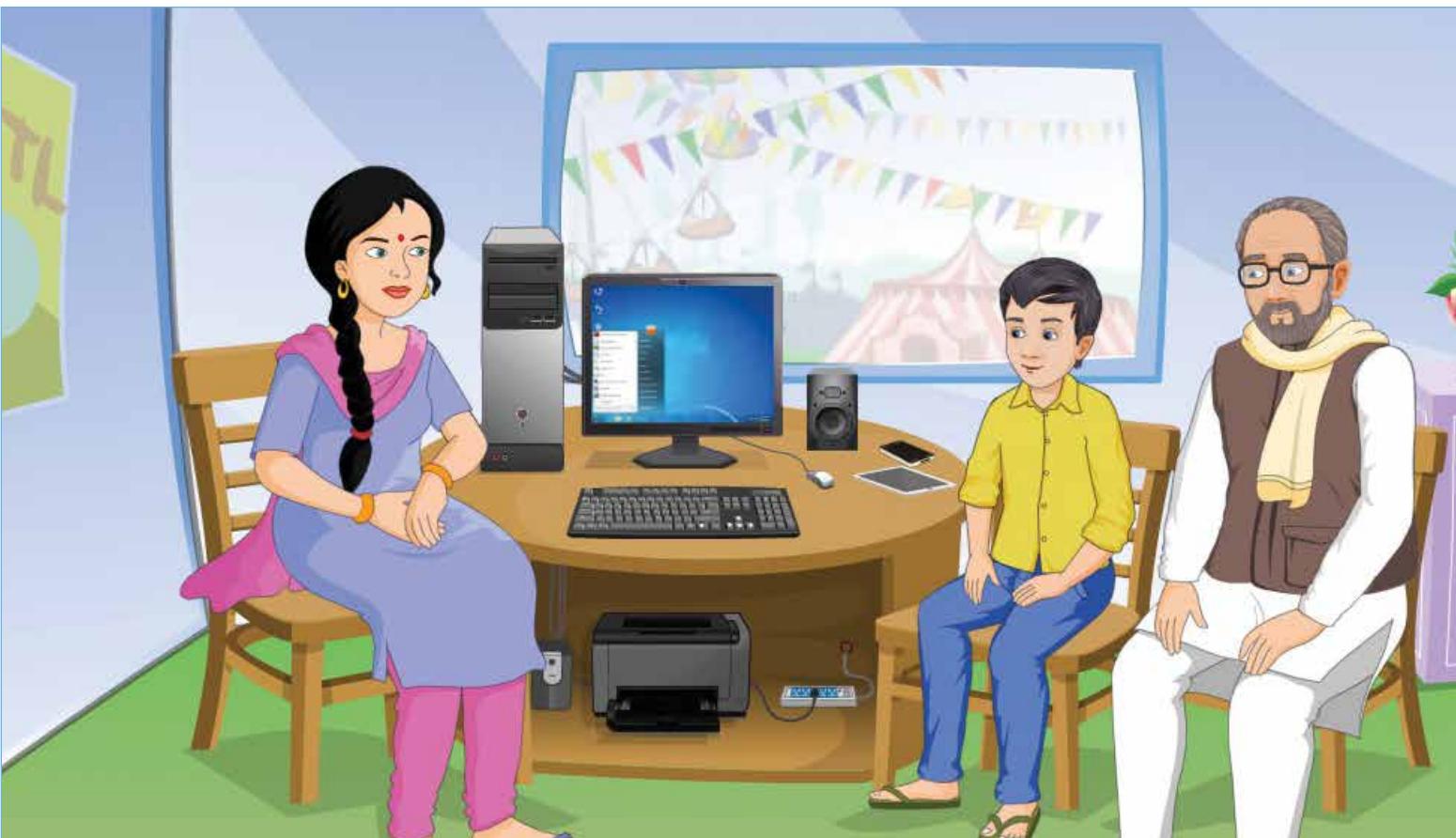


1

डिजिटल उपकरणों का परिचय



सीखने के परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत तक, आपको निम्न कार्यों को करने में सक्षम होना चाहिए :

- कम्प्यूटर के विभिन्न घटकों, कार्यों और एप्लीकेशन्स को पहचानना एवं समझना
- मोबाइल फोन के घटकों, कार्यों और एप्लीकेशन्स को समझना
- टेबलेट के घटकों, कार्यों और एप्लीकेशन्स को समझना

पाठ्य योजना

1. कम्प्यूटर के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स
2. मोबाइल फोन के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स
3. टेबलेट के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स

9. कंप्यूटर के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स

9. कंप्यूटर के मूल तत्व

कंप्यूटर क्या है?

कंप्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (डिवाइस) है जिसका उपयोग डेटा और सूचनाओं को स्टोर करने और प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है।

हम कंप्यूटर से क्या कार्य कर सकते हैं?

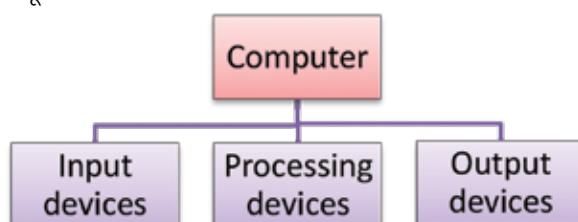
कंप्यूटर की सहायता से आप अपने परिवार के मीलों दूर रहने वाले सदस्यों से जुड़ सकते हैं, सूचनाओं को स्टोर कर सकते हैं, रेलवे के टिकट बुक कर सकते हैं, अपने बैंक खातों को संचालित कर सकते हैं, गेम्स खेल सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं और मूवीज़ देख सकते हैं!

कंप्यूटर के दो भाग क्या हैं

कंप्यूटर को दो भागों में बांटा गया है – हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर। कंप्यूटर और इससे जुड़े सभी उपकरणों हार्डवेयर कहा जाता है। सॉफ्टवेयर कंप्यूटर के लिए कार्या करने के लिए उपयोगी कि निर्देशों का सेट है।

कंप्यूटर के अवयय

कंप्यूटर विभिन्न अवययों से बने होते हैं :



कंप्यूटर

- इनपुट उपकरण (डिवाइस)
- प्रासेसिंग उपकरण (डिवाइस)
- आउटपुट उपकरण (डिवाइस)

इनपुट उपकरण (डिवाइस)

वे उपकरण (डिवाइस)जिनका उपयोग कंप्यूटर में डेटा, इन्सट्रक्शन्स या सूचना डालने के लिए किया जाता है, उन्हे इनपुट उपकरण (डिवाइस)कहते हैं। उदाहरण – माउस, कीबोर्ड, पेन ड्राइव, सीडी, माइक्रोफोन, जॉयस्टिक और स्कैनर। कीबोर्ड और माउस प्राथमिक इनपुट उपकरण (डिवाइस)हैं।



की बोर्ड की बोर्ड बहुत कुछ टाइपराइटर के की बोर्ड की तरह का होता है, सिर्फ इसमें कुछ अतिरिक्त कीज़

होती हैं। नियमित कीज़ के अतिरिक्त इसमें न्यूमेरिक की पैड भी होता है और कुछ विशि ट कीज़ भी होती हैं जैसे कि नेविगेशन कीज़ और एडिटिंग कीज़, डायरेक्शनल कीज़, फंक्शन कीज़ तथा एस्केप की (ESC)।

न्यूमेरिक की पैड की पैड से कैलकुलेटर की तरह नंबर दर्ज करने में सहाय ता करते हैं।



नेवीगेशनल कीज़आपकी किसी पेज को मॉनीटर पर देखने में सहायता करता है। पेज अपकी किसी प्रोग्राम में कर्सर और स्क्रीन पर पाठ्य को ऊपर मूव करती है। पेज डाउन कीकिसी प्रोग्राम में कर्सर और स्क्रीन पर पाठ्य को नीचे मूव करती है। होम की कर्सर को किसी डाक्युमेंट के जुर्मानी हिस्से में ले जाती है। एंड की कर्सर को किसी प्रोग्राम में पाठ्य की अंतिम लाइन पर ले जाती है।

एडिटिंग कीज़ किसी डाक्युमेंट में पाठ्य की एडिटिंग में सहायता करती है। इन्सर्ट बटन अधिकांश पाठ्य एडिटिंग प्रोग्राम्स



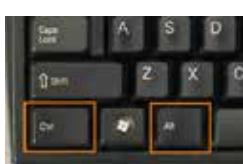


मैं इन्सर्ट करने और पाठ्य को ओवरराइटिंग करने के मध्य टॉगल करती है। डिलीट बटन किसी पाठ्य एडिटिंग प्रोग्राम में किसी एक कैरेक्टर को (दाँयी तरफ से) डिलीट करती है। बैकस्पेस की किसी पाठ्य एडिटिंग प्रोग्राम में किसी एक कैरेक्टर को (बाँयी तरफ से) डिलीट करती है।

डायरेक्षनल कीज़ आपकी कर्सर को ऊपर, नीचे, बाँये या दाँये मूव करने में सहायता करती है। पाठ्य एडिटिंग प्रोग्राम में अप एरो की कर्सर को ऊपर मूव करती है, जबकि डाउन एरोकी कर्सर को टैक्स्ट में नीचे ले जाती है। बाँयी एरो की कर्सर को बाँयी ओर और दाँयी एरो की कर्सर को दाँयी ओर ले जाती है।



फंक्शनल कीज़ सक्रिय प्रोग्राम के अनुसार विशिष्ट सौंपे गये कार्यों को पूर्ण करती है।



कन्ट्रोल (CTRL) और आल्टरनेट (ALT) कीज़ फंक्शन मॉडिफायर कीज़ होती हैं जो कि अद्याकांश प्रोग्राम में किसी विशिष्ट क्रिया या माउस फंक्शन को परिवर्तित करती है या बढ़ाती है।

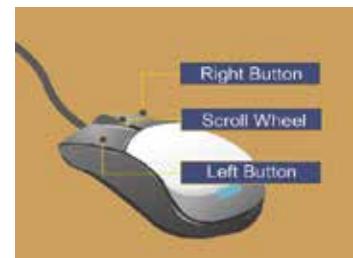
विंडोज़ की विंडो स्टार्ट मेन्यु को एक्टिवेट करती है, जो कि टास्क बार पर स्टार्ट बटन को क्लिक करने जैसा ही होता है।



माउस

एक माउस एक संकेत डिवाइस है जिसका उपयोग कम्प्यूटर स्क्रीन पर किसी आइटम को पाइंट करने और इंटरएक्ट करने के लिए किया जाता है। जैसे ही माउस को मूव किया जाता है, आपको स्क्रीन पर एक छोटा सा एरो माउस की दिशा में मूव करता दिखाई देगा। इस एरो को पाइंटर कहते हैं। यह पाइंटर कम्प्यूटर को प्रॉसेस करने के लिए डेटा या इंस्ट्रक्शन्स प्रदान कर सकता है।

माउसकी दो बटनें होती हैं – बाँयी और दाँयी। इसमें दोनों बटन्स के बीच एक पहिया (स्क्रॉल व्हील) भी होता है, जो कि आपकी डाक्यूमेंट और वेब पेज पर आसानी से मूव करने में सहायता करता है। बाँयी बटन को क्लिक कर आप किसी प्रोग्राम को सलेक्ट कर सकते हैं। बाँयी बटन पर डबल क्लिक कर आप किसी प्रोग्राम के अन्दर पहुँचते हैं। माउस की दाँयी बटन को क्लिक कर आप इन्डेक्स मेन्यु को खोल सकते हैं। स्क्रल व्हील से स्क्रॉल पर आप ऊपर या नीचे मूव कर सकते हैं।



प्रासेसिंग डिवाइसेस

प्रासेसिंग डिवाइसेस किसी कंप्यूटर में सूचना या डेटा के स्टोरेज और सेविंग को नियंत्रित करते हैं। सूचना कम्प्यूटर के प्रॉसेसर सीपीयू के द्वारा प्रासेस की जाती है, जिसे बाद में कम्प्यूटर की मेमोरी या रैम में सेव किया जाता है।

आउटपुट डिवाइसेस

ऐसे उपकरण जिनका उपयोग कम्प्यूटर में परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है आउटपुट डिवाइसेस कहलाते हैं। मुख्य आउटपुट डिवाइसेस में मॉनिटर, प्रिंटर, स्पीकर, हेडफोन्स और प्रोजेक्टर हैं।

मॉनिटर आउटपुट जैसेकि एब्स, संख्या और ग्रैफिक्स आदि को प्रदर्शित करने वाला स्क्रीन है।

मॉनिटर्स दो प्रकार के होते हैं कैथोड रे ट्र्यूब (सीआरटी) एवं प्लैट पैनल डिस्प्लेस।



प्रिंटर कम्प्यूटर से प्रॉसेस डेटा जिसे सॉफ्ट कॉपी को लेकर उसकी हार्ड कॉपी तैयार करता है। सॉफ्ट कॉपी एक इमेज या टैक्स्ट फाइल होती है जिसे कम्प्यूटर स्क्रीन पर देखा जाता है जबकि हार्डकॉपी इसका प्रिंटेड स्वरूप होता है। प्रिंटर्स तीन प्रकार के होते हैं : इंकजेट, लेज़र और डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर्स।





स्पीकरएक आउटपुट डिवाइस है जिसके द्वारा हम आवाज को सुनते हैं। बिन स्पीकर के आप संगीत, या आवाजों को नहीं सुन सकते हैं।



हेडफोन कम्प्यूटर से आवाज को आउटपुट के रूप में प्रदान करते हैं। ये स्पीकर्स के समान ही होते हैं सिवाय इसके कि इन्हे कानों के ऊपर पहना जाता है, जिससे एक बार में केवल एक ही व्यक्ति इसकी आवाज को सुन सकता है।



प्रोजेक्टर एक आउटपुट डिवाइस होता है जिसकी सहायता से पाठ्य या इमेज को किसी फ्लैट स्क्रीन पर प्रोजेक्ट किया जाता है। प्रोजेक्टर का उपयोग अक्सर मीटिंग्स में या प्रजेन्टेशन के लिए किया जाता है। इसके द्वारा प्रदर्शित जानकारियाँ कई लोगों को दिखाई देती हैं।

अध्याय ९

- | | | | |
|---------------------------------------------------------------------------|------------|------------|------------|
| १. निम्न में से कौनसा एक इनपुट डिवाइस है ? | प्रोजेक्टर | हेडफोन | पेन ड्राइव |
| २. निम्न में से कौनसा एक आउटपुट डिवाइस है ? | स्पीकर | माइक्रोफोन | माउस |
| ३. कीबोर्ड की कौनसी की कर्सर को डॉक्युमेंट के थ्रु के भाग में ले जाती है? | होम | शिफ्ट | आल्टर |
| ४. कौनसी आउटपुट डिवाइस सॉफ्ट कॉपी से हार्ड कॉपी तैयार कर सकती है। | प्रोजेक्टर | प्रिंटर | स्पीकर |

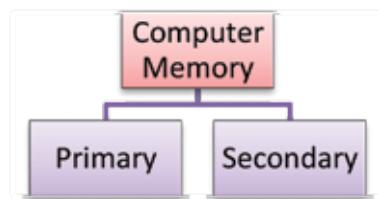
२. कम्प्यूटर मेमोरी

कम्प्यूटर डेटा को कम्प्यूटर मेमोरी में स्टोर करता है। कम्प्यूटर की दो प्रकार की मेमोरी होती है – प्राइमरी या मुख्य मेमोरी और सैकेण्डरी मेमोरी।



मुख्य / प्राइमरी मेमोरी को रैम कहा जाता है – रैन्डम एक्सेस मेमोरी। यह बहुत तेज होती है। कम्प्यूटर की गति रैम पर निर्भर करती है। डेटा और निर्देश रैम में स्टोर किए जाते हैं, जहाँ से ये सेन्ट्रल प्रॉसेसिंग युनिट या सीपीयू को परिणाम की प्रासेसिंग के लिए जाती है। रैम वह मेमोरी है जिसमें सभी प्रोग्राम स्टोर किए जाते हैं। कैच मेमोरी भी रैम का हिस्सा होती है और यह प्रॉसेसर के बहुत पास होती है। इसका उपयोग प्रॉसेसिंग स्पीड को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

क्योंकि प्राइमरी मेमोरी सीमित होती है, सैकेण्डरी मेमोरी का उपयोग असीमित डेटा को स्टोर करने के लिए किया जाता है। कोई डेटा या प्रोग्राम जिसे सैकेण्डरी मेमोरी में रखा जाता है उसे रैम के द्वारा कॉपी किया जाता है, क्योंकि कम्प्यूटर सीधे सैकेण्डरी मेमोरी में डेटा को प्रॉसेस नहीं कर सकता है। पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क और डीवीडी सैकेण्डरी मेमोरी डिवाइस के उदाहरण हैं।



डेटा कम्प्यूटर की मेमोरी में कैसे स्टोर किया जाता है ?

कम्प्यूटर सभी जानकारियाँ केवल दो डिजिट्स – ० और १ में स्टोर करता है। एक सिंगल बाइनरी डिजिट, जो कि १ या ० हो उसे बिट कहा जाता है। आठ बिट के एक समूह को बाइट कहा जाता है।

निम्न तालिका बिटुस और बाइटुस के मध्य के संबंध को बताती है।

1 byte	8 bits
1 Kilobytes (1KB)	1024 Bytes
1 Megabyte (1MB)	1024 KB
1 Gigabyte (1GB)	1024 MB

1	0	0	0	1	0	0	1
0	0	0	1	0	0	1	0
0	0	1	0	0	0	0	1
1	0	0	1	1	0	0	0
0	0	0	1	1	1	0	0
0	1	0	1	0	0	0	0
0	0	1	0	1	0	0	1
0	0	0	1	0	0	1	0

सॉफ्टवेयर्स के प्रकार

हार्डवेयर को नियंत्रित करने और कार्य सम्पादित करने के लिए दिये जाने वाले निर्देशों को सॉफ्टवेयर कहते हैं। सॉफ्टवेयर प्रोग्राम्स नियोजित क्रमबद्ध निर्देशों का सेट है, जो कि कम्प्यूटर को यह निर्देश देता है कि क्या करना है और कैसे करना है। दो प्रकार के सॉफ्टवेयर होते हैं – एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और सिस्टम सॉफ्टवेयर।

एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर ऐसा प्रोग्राम होता है जो कि उपयोगकर्ता की किसी विशिष्ट कार्य को करने में सहायता करता है। माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और ओपन ऑफिस ड्झा एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के उदाहरण हैं।

ऐसे प्रोग्राम जो कि सीधे कम्प्यूटर के हार्डवेयर से जुड़े रहते हैं उन्हे सिस्टम सॉफ्टवेयर कहते हैं।



किसी कम्प्यूटर को चलाने के लिए आपको एक ऑपरेटिंग सिस्टम की आवश्यकता होती है, जो कि सिस्टम सॉफ्टवेयर होता है।

अभ्यास २

- | | | |
|----|----------------------------------------------|-------------------|
| १. | माइक्रोसॉफ्ट वर्ड किस किस्म का सॉफ्टवेयर है? | |
| | सिस्टम सॉफ्टवेयर | एलीकेशन सॉफ्टवेयर |
| २. | कितनी बाइट्स मिल कर एक किलो बाइट बनाते हैं? | |
| | 8 बाइट | 1000 बाइट |
| ३. | एक बाइट में कितनी बिट्स होती हैं? | |
| | 8 | 10 |
| | | 100 |

३. कम्प्यूटर को सेटअप करना और इस पर कार्य करना



मॉनीटर टीवी के समान होता है और इसका उपयोग आउटपुट को स्क्रीन पर दर्शाने के लिए किया जाता है।

सिस्टम यूनिट बॉक्स में सेन्ट्रल प्रासेसिंग यूनिट सीपीयू रहता है। सीपीयू कम्प्यूटर कर दिमाग होता है। कीबोर्ड और माउस इनपुट डिवाइस होते हैं जिनसे हम कम्प्यूटर में डेटा एन्टर करते हैं।

कम्प्यूटर को कनेक्ट करने के चरण

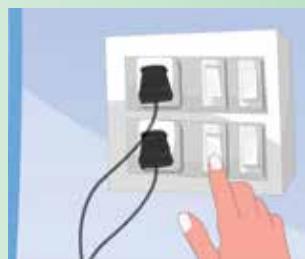
स्टेप 1	कम्प्यूटर को किसी डेस्क पर रखें। सिस्टम यूनिट को मॉनीटर के निकट रखें। सिस्टम यूनिट के पिछले भाग में विभिन्न डिवाइसेस को जोड़ने के लिए सभी कनेक्शन स्लॉट्स दिए गये हैं।	
स्टेप 2	सिस्टम यूनिट के विडियो पोर्ट को वीजीए पोर्ट कहा जाता है। वीजीए केबिल के एक सिरे को सिस्टम यूनिट के विडियो पोर्ट से जोड़ें और दूसरे सिरे को मॉनिटर से जोड़ें।	
स्टेप 3	की बोर्ड दो प्रकार के कनेक्टर्स के साथ आते हैं – पीएस/2 कनेक्टर या यूएसबी कनेक्टर। की बोर्ड को सिस्टम यूनिट के साथ जोड़ने के लिए, दिये गये कनेक्टर को सिस्टम यूनिट के साथ जोड़ें।	
स्टेप 4	कम्प्यूटर माउस में तीन तरह के कनेक्टर्स आते हैं— पीएस/2 कनेक्टर, यूएसबी कनेक्टर या सीरियल कनेक्टर। माउस को कनेक्ट करने के लिए कनेक्टर को सिस्टम यूनिट में उचित पोर्ट पर कनेक्ट करें।	
स्टेप 5	इसी प्रकार यदि आप कम्प्यूटर से प्रिंटर को कनेक्ट करना चाहते हैं, कनेक्टर को सिस्टम यूनिट से जोड़ें। प्रिंटर में दिए गए कनेक्टर दो प्रकार के हो सकते हैं, पैरेलल पोर्ट या यूएसबी पोर्ट।	

कम्प्यूटर को मुख्य इलेक्ट्रिक बोर्ड से जोड़ने के स्टेप्स

स्टेप 1 : एक पॉवर सप्लाई केबिल को सिस्टम यूनिट के पॉवर सप्लाई प्लग में जोड़ें, और दूसरे केबिल को मॉनिटर के पॉवर सप्लाई पोर्ट से जोड़ें।

स्टेप 2 : दोनों केबिल्स को स्विच बोर्ड या प्रदान किए गये यूपीएस के पॉवर प्लग्स में जोड़ें।

कम्प्यूटर को स्थित ऑन करने के स्टेप्स

स्टेप 1	सिस्टम युनिट और मॉनिटर दोनों की पॉवर सप्लाई को स्थित ऑन करें।	
स्टेप 2	सिस्टम युनिट की पॉवर बटन को दबाएं।	
स्टेप 3	मॉनिटर को इसकी पॉवर बटन दबा कर स्थित ऑन करें।	
स्टेप 4	कुछ क्षणों के लिए इंतजार करें। मॉनिटर पर डिस्प्ले दिखाई देगा। इसे बूट स्क्रीन कहा जाता है। आप देखेंगे कि सभी सॉफ्टवेयर लोड हो गये हैं। अब कम्प्यूटर उपयोग के लिए तैयार है।	

2. मोबाइल फोन्स के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स

मोबाइल फोन क्या है?

मोबाइल फोन एक बायरलेस हाथ में पकड़ने योग्य डिवाइस है जो कि उपयोगकर्ता को कॉल करने और अन्य फीचर्स के साथ पाठ्य संदेशों भेजने की सुविधा देता है। आजकल, मोबाइल फोन्स पर कई अन्य फीचर्स पैक किए जाते हैं जैसे कि वेब ब्राउज़र, गेम्स, कैमेरे, विडियो प्लेयर्स और नेवीगेशन सिस्टम्स।



एक बेसिक मोबाइल फोन सबसे सरलतम फोन होता है, जिसके द्वारा आप कॉल कर सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं या पाठ्य संदेशों को भेज सकते हैं या प्राप्त कर सकते हैं। आधुनिक मोबाइल फोन्स या स्मार्ट फोन्स पर बहुत से अतिरिक्त फीचर्स होते हैं, जिनका उपयोग संचार, कम्प्यूटिंग और मनोरंजन के लिए किया जा सकता है। ये फोन कई कार्य करते हैं ई मेल और वेब ब्राउज़िंग से से लेकर संगीत प्ले करना, विडियो कैच्चर करना और प्ले करना, डेटा को स्टोर करना और मैनेज करना आदि।

कुछ मोबाइल फोन आपको एक ही हैंडसेट में दो सिम फिट करने की सुविधा देते हैं। इन्हे ड्यूअल सिम फोन्स कहा जाता है।



मोबाइल फोन के हिस्सें

निम्न चित्र में मोबाइल फोन के विभिन्न हिस्सों को दिखाया गया है :

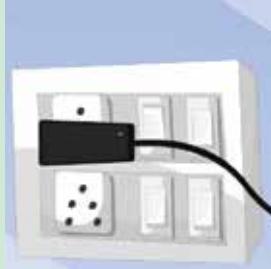


फोन में सिम कार्ड और बैटरी इन्सर्ट करने के स्टेप्स।

स्टेप 1	फोन को स्थिर आँफ करें और पीछे का कवर अलग करें।	
स्टेप 2	यदि बैटरी फोन में है तो इसे बाहर निकालें।	
स्टेप 3	सिम को सिम स्लॉट में डालें।	

स्टेप 4	बैटरी को फिर से फोन में डालें।	
स्टेप 5	पीछे के कवर को वापस लगा दें। और फोन को रिस्टार्ट करें।	

आपके फोन की बैटरी को चार्ज करने के स्टेप्स

स्टेप 1	चार्जर को दीवार के सॉकेट में प्लग करें।	
स्टेप 2	चार्जर को फोन से कनेक्ट करें। जब आपका फोन यह दिखाए कि बैटरी फुल, तो चार्जर को फोन से निकाल दें और फिर दीवार के सॉकेट से।	

फोन को कैसे लॉक अनलॉक करें

जब आपका फोन लंबे समय तक उपयोग में नहीं आ रहा हो तो यह हमेशा बेहतर है कि अपने फोन की कीज़ को लॉक कर दें। अपने फोन की कीज़ को लॉक करने के लिए, मेन्यु को सलेक्ट करें और फिर (*) की को दबाएं। अपने फोन की कीज़ को अनलॉक करनें के लिए, अनलॉक को दबाएं और फिर (*) की को दबाएं।

यदि आपने अनलॉक पैटर्न को सेट कर रखा है, कोई पिन या पासवर्ड है, तो फिर अपने फोन को अनलॉक करने के लिए आपको उस पैटर्न को बनाना पड़ेगा या उस पिन या पासवर्ड को एन्टर करना पड़ेगा।

अपने फोन के फीचर्स को खोजने के स्टेप्स

स्टेप 1 : मेन्यु बटन को प्रेस करें या टच करें। इस पर उपलब्ध सभी फीचर्स दिखाई देंगे।

स्टेप 2 : पिछले दृश्य पर वापस जाने के लिए, बैक बटन को प्रेस करें या टच करें।

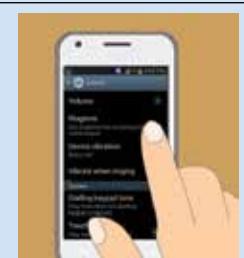
स्टेप 3 : होम स्क्रीन पर जाने के लिए, फोन के होम आइकॉन / बटन को टच करें।



बेसिक फोन पर रिंगटोन बदलने के स्टेप्स

स्टेप 1	सलेक्ट मेन्यु > सेटिंग्स	
स्टेप 2	टोन्स को सलेक्ट करें और फिर रिंगटोन्स के लिए स्कॉल करें।	
स्टेप 3	ओपन गैलरी को खोलने के लिए स्कॉल करें। रिंगटोन्स की एक लिस्ट दिखाई देगी। अपनी पसंद की रिंगटोन को क्लिक करके चुनें।	

स्मार्ट फोन पर रिंगटोन बदलने के स्टेप्स

स्टेप 1	होम की को टच करें > मेन्यु की > पर्सोनेलाइजेशन / सेटिंग्स	
स्टेप 2	टच प्रोफाइल सेटिंग	

स्टेप 3	टच फोन रिंगटोन या नोटिफिकेशन रिंगटोन।	
स्टेप 4	रिंगटोन लिस्ट में स्क्रॉल करें और जिस रिंगटोन को आप उपयोग में लाना चाहते हैं उसे सलेक्ट करें और फिर ओके बटन को टच करें।	

बेसिक फोन पर अलार्म सेट करना

स्टेप 1 : सलेक्ट मेन्यु > एप्लीकेशन > अलार्म क्लॉक

स्टेप 2 : अलार्म टाइम को सेट करें, फिर सेव को सलेक्ट करें

स्टेप 3 : अलार्म को रिपीट करने के लिए, ऑप्शन सलेक्ट करें > रिपीट डेज़ फिर दिन चुनें।

स्टेप 4 : फिर डन को सलेक्ट करें।

स्मार्ट फोन पर अलार्म सेट करना

स्टेप 1 : टच मेन्यु

स्टेप 2 : क्लॉक को टच करें

स्टेप 3 : अलार्म को टच करें

स्टेप 4 : अलार्म टाइम को सेट करें

स्टेप 5 : सेव को टच करें

३. टेबलेट के पुर्जे, कार्य और एप्लीकेशन्स

टेबलेट एक कॉम्प्यूटर डिवाइस है जो कि स्मार्ट फोन या लैपटॉप / कम्प्यूटर के समान होता है। इसका उपयोग कई प्रकार के कार्यों के लिए होता है जैसेकि इंटरनेट ब्राउजिंग, ई मेल चेक करने के लिए, किताबों को डाउनलोडिंग और उन्हे पढ़ने के लिए, गेम्स खेलने के लिए, विडियोज़ देखने के लिए, कन्टेन्ट को आर्गनाइज़ करने के लिए और अन्य कार्यों के लिए। सामान्यतः, टैबलेट्स टच से ऑपरेट होते हैं और इनका आकार स्मार्ट फोन और लैपटॉप के बीच का होता है।



इसका उपयोग इन्टरनेट पर ब्राउज़ करने, ई मेल चेक करने, किताबों को डाउनलोड करने और पढ़ने, गेम्स खेलने, विडियोज़ देखने या कन्टेन्ट को आर्गनाइज़ करने के लिए किया जा सकता है।